समाजशास्त्र की मूल अवधारणाओं का परिचय

(INTRODUCTION TO THE BASIC CONCEPTS OF SOCIOLOGY)

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 और स्नातक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम और क्रेडिट फ्रेमवर्क
के दिशा–निर्देशों के अनुसार एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम–ITEP
(बी.ए.–बी.एड.), बी.ए., बी.ए. (ऑनर्स), बी.ए.–एल.एल.बी.
प्रथम सेमेस्टर के समस्त विद्यार्थियों हेतु)

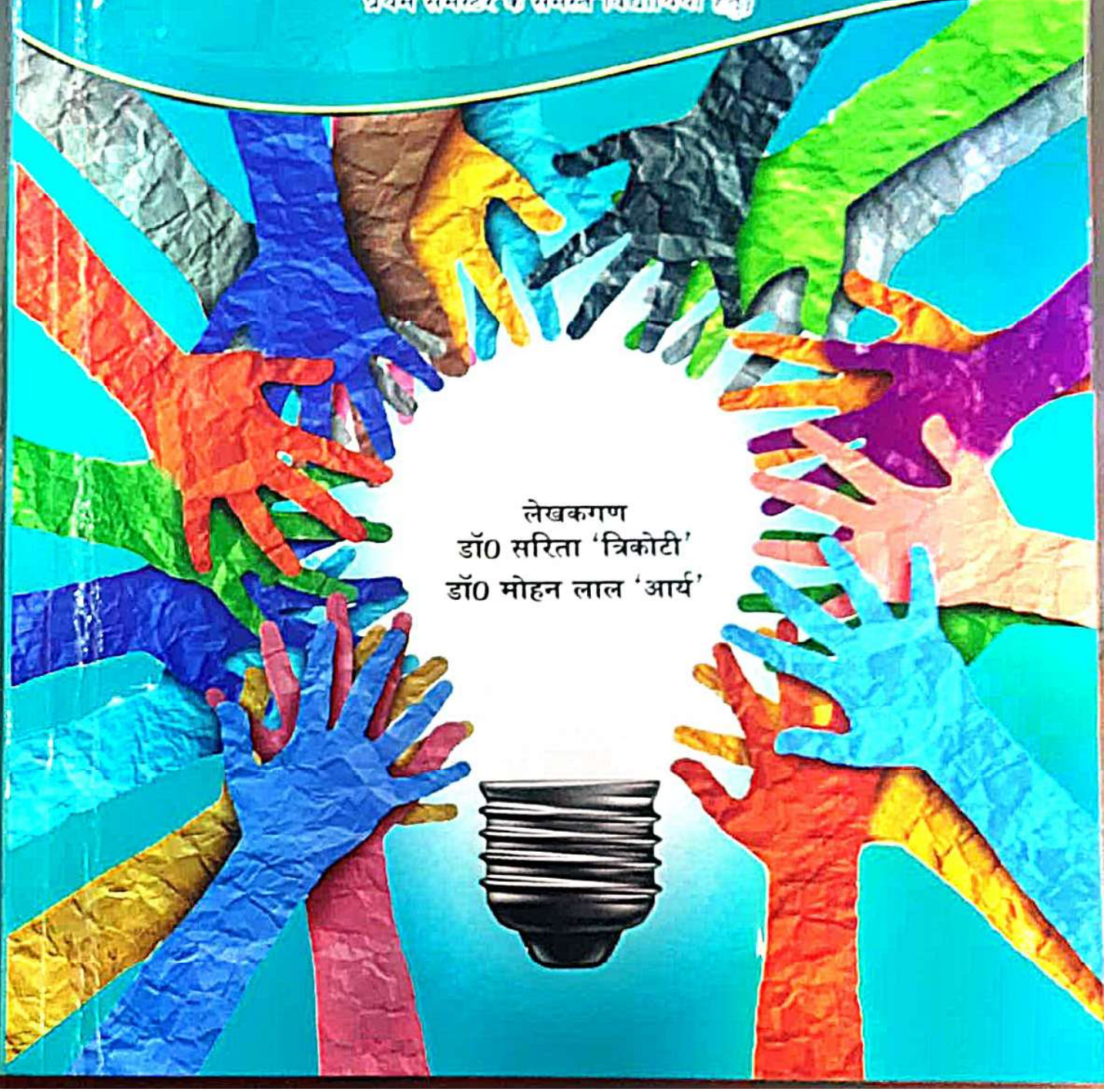

लेखकगण
डॉ0 सरिता 'त्रिकोटी'
डॉ0 मोहन लाल 'आर्य'

समाजशास्त्र की मूल अवधारणाओं का परिचय

[INTRODUCTION TO BASIC CONCEPTS OF SOCIOLOGY]

{राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 और स्नातक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम और क्रेडिट फ्रेमवर्क के दिशा–निर्देशों के अनुसार **एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम- ITEP (बी.ए.–बी.एड.), बी.ए., बी.ए. (ऑनर्स), बी.ए.–एलएलबी** प्रथम सेमेस्टर के समस्त विद्यार्थियों हेतु}

❖

लेखकगण:

डॉ० सरिता 'त्रिकोटी'

एम.ए. (समाजशास्त्र), पी–एच.डी. (समाजशास्त्र)

सहायक आचार्य एवं विभागाध्यक्ष

समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग

स्कूल ऑफ एजूकेशन एवं ह्यूमैनीटिज

आईएफटीएम विश्वविद्यालय, मुरादाबाद, उ0प्र0, भारत

डॉ० मोहन लाल 'आर्य'

एम.ए. (भूगोल, शिक्षाशास्त्र एवं समाजशास्त्र), एम.एड.,

एम.फिल. (शिक्षाशास्त्र), यू.जी.सी.–नेट (शिक्षाशास्त्र),

पी–एच.डी. (भूगोल एवं शिक्षाशास्त्र)

निदेशक एवं संकायाध्यक्ष

स्कूल ऑफ एजूकेशन एवं ह्यूमैनीटिज

आईएफटीएम विश्वविद्यालय, मुरादाबाद, उ0प्र0, भारत

❖

प्रकाशक

नृत्यांजलि पब्लिकेशन हाउस

मीरापुर मीरगंज, स्वार, मसवासी,

श्रामपुर, (उ0प्र0), भारत पिन–244924

❖ समाजशास्त्र की मूल अवधारणाओं का परिचय

— डॉ० सरिता 'त्रिकोटी' एवं डॉ० मोहन लाल 'आर्य'

❖ प्रकाशक :

नृत्यांजलि पब्लिकेशन हाउस
मीरापुर, मीरजंग, स्वार, मसवासी,
रामपुर, उ0प्र0 पिन– 244924
फोन : +919557475906
E-mail: info@nrityanjalipublicationhouse.com

❖ © लेखकगण

❖ **ISBN No :** 978-81-991285-6-9

❖ प्रथम संस्करण : **2025**

❖ मूल्य : ₹ 325.00

सर्वाधिक सुरक्षितः इस प्रकाशन के किसी भी हिस्से को किसी भी सामग्री के रूप में पुनः प्रस्तुत या कॉपी नहीं किसा जा सकता है (जिसमें ग्राफिक्स, इलेक्ट्रोनिक या यांत्रिक साधनों के रूप में किसी भी माध्यम में इसे फोटोकॉपी करना या संग्रहीत करना या इस प्रकाशन के कुछ अन्य उपयोग के लिए क्षणिक या आकस्मिक) कापीराइट स्वामी की लिखित अनुमति के बिना कॉपी नहीं किया जा सकता है। इसका कोई भी उल्लंघन बिना किसी नाटिस के कानूनी कार्रवाई और इभियोजन को लागू करेगा।

नोटः प्रस्तुत पुस्तक में लेखकों के अपने विचार है उनका सम्पादक एवं प्रकाशन से कोई सम्बन्ध नहीं है।

अधिकार क्षेत्रः इस प्रकाशन के संबंध में सभी विवाद केवल रामपुर, उ0प्र0, भारत के न्यायालयों, न्यायाधिकरणों और फरमों के अधिकार क्षेत्र के अधीन होंगे।

❖ टाइप सैटिंग एंव मुद्रकः अशोका कम्यूनिकेशन